[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6473 **J**

Unique Paper Code : 2102101201

Name of the Paper : Fundamentals of Philosophy

Name of the Course : **B.A. (H) Philosophy**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **any 5** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. निम्नलिखित में से **किन्हीं 5** प्रश्नों में से चुनें।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Examine the significance of the Null Possibility, Many Worlds Hypothesis, and the All-Worlds Hypothesis as explanatory theses for the existence of the Universe as discussed by Parfit.

   ब्रह्मांड के अस्तित्व के लिए व्याख्यात्मक शोध के रूप में शून्य संभावना, अनेक विश्व परिकल्पना और सर्व-विश्व परिकल्पना के महत्व की जांच करें, जैसा कि पारफिट ने चर्चा की है।

2. How does Aristotle explain the metaphysical possibility of change in his *Metaphysics*? Discuss.

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-110019

P.T.O.

अरस्तू ने अपने तत्वमीमांसा में परिवर्तन की संभावना को किस प्रकार समझाया है? चर्चा कीजिए।

3. 'Time is nothing but the form of inner sense', says Kant. Explain.

कांट कहते हैं, समय और कुछ नहीं बल्कि आंतरिक संवेदना का रूप है। व्याख्या कीजिए।

4. What makes thinking or thought possible, according to Davidson? Discuss the Problem of Objectivity.

डेविडसन के अनुसार, चिंतन या विचार को क्या संभव बनाता है? वस्तुनिष्ठता की समस्या पर चर्चा करें।

5. Evaluate the arguments given by Paul Boghossian to show that beliefs and their justifications are not socially constructed.

पॉल बोगोसियन द्वारा दिए गए तर्कों का मूल्यांकन करें जो यह दर्शाते हैं कि विश्वास और उनका औचित्य सामाजिक रूप से निर्मित नहीं हैं।

6. Is *jñāna* or consciousness formed or formless? Evaluate the views discussed by J.N. Mohanty.

क्या ज्ञान या चेतना साकार है या निराकार? जे.एन. मोहंती द्वारा चर्चित विचारों का मूल्यांकन करें।

7. Examine the debate between the classical Buddhist and Nyāya philosophers about the existence of Self with reference to Matilal.

मतिलाल के संदर्भ में आत्मा के अस्तित्व के संबंध में शास्त्रीय बौद्ध और न्याय दार्शनिकों के बीच बहस का परीक्षण करें।

8. What is justice and why should we be just? Discuss with reference to Plato's *Republic*.

न्याय क्या है और हमें न्यायपूर्ण क्यों होना चाहिए? प्लेटो के रिपब्लिक के संदर्भ में चर्चा करें।

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-110019